Evaluation Only. Created with Aspose.PDF. Copyright 2002-2020 Aspose Pty Ltd.

हिंसा की जगह चारों आरोपी थे साथ, 50 मिनट चली कवायद, फरेंसिक टीम ने की जांच

पुलिस ने 'क्राइम सीन' सभी आरोपियों को दिखाया, आशीष गाड़ी से नहीं उतरा

■ टीम एनबीटी, लखनऊ/लखीमपुर

लखीमपुर में हुई हिंसा की जांच आगे बढ़ाने के लिए पुलिस आरोपियों को लेकर घटनास्थल पर पहुंची। जांच टीम गुरुवार को मुख्य आरोपी आशीष मिश्रा समेत चार आरोपियों को क्राइम सीन पर लेकर गई। पुलिस ने वहां फरेंसिक टीम के साथ घटना का सीन रिक्रिएट किया। करीब 50 मिनट तक जांच टीम ने दल बल के साथ घटनास्थल पर यह सारी कवायद की। पुलिस ने गुरुवार की सुबह सबसे पहले अंकित दास, शेखर भारती और गनर लतीफ को जेल से अपनी कस्टडी में लिया। इसके बाद उन तीनों को पुलिस लाइन ले जाया गया जहां आशीष मिश्रा उर्फ मोनू पहले से ही मौजूद था। वहां चारों से करीब दो घंटे तक पूछताछ हुई। जांच टीम के अध्यक्ष उपेन्द्र अग्रवाल, फरेंसिक टीम और बड़ी संख्या में आरएएफ-पीएसी के जवान सुरक्षा के लिए मौजूद रहे।

करीब सवा एक बजे से टीम ने एक-एक कर आरोपियों से घटना समझने की कोशिश की। सबसे पहले पुलिस टीम ने अंकित दास के ड्राइवर शेखर भारती को गाड़ी से उतारा और उससे पूरी घटना समझी। इसके बाद अंकित दास को बाहर निकाला। तीसरे नंबर पर टीम ने लतीफ के जरिए पूरे घटनाक्रम को समझा। इसके बाद टीम ने शेखर को फिर बाहर उतारा और उसके साथ वहां तक गए जहां फाच्यूंनर पलटी थी। हालांकि, टीम ने आशीष को एक बार भी इस दौरान गाड़ी से नहीं उतारा। घटना को समझने के बाद उसका रिक्रिएशन शुरू हुआ। तीन पुतलों को किसान बताते हुए रास्ते में खड़ा कर दिया गया। कुछ लोगों को रास्ते के दोनो तरफ काले झंडे लेकर खड़ा कर दिया गया। इसके बाद पुलिस की पुरानी थार जीप, एक एक्सयूवी 700 और स्कॉर्पियो के जरिए सीन रिक्रिएट किया गया। थार जीप और उसके पीछे दोनों गाड़ियां पुतलों को उड़ाते हुए आगे बढ़ गईं।

पुलिस सूत्रों के मुताबिक, एसआईटी आरोपी आशीष मिश्रा का अंकित दास, लतीफ और फिर ड्राइवर शेखर से आमना-सामना कराएगी। इस दौरान उनके बयानों का क्रॉस वेरिफिकेशन किया जाएगा। साथ ही, घटनास्थल पर जाकर उनकी प्रमाणिकता की बारीकी से पड़ताल करेगी। 3 अक्टूबर को किसानों ने केंद्रीय गृह राज्य मंत्री अजय मिश्र का विरोध करते हुए काले झंडे दिखाए थे। इसी दौरान एक गाड़ी ने किसानों को कुचल दिया था। इसमें चार किसानों की मौत हो गई थी। इसके बाद हिंसा भड़क गई थी।

लखीमपुर हिंसा की तह तक जाने को पहुंची पुलिस

जांच करने लखीमपुर खीरी पहुंची जांच टीम ने 50 मिनट तक घटनास्थल पर क्राइम सीन को रिक्रिएट किया

बयान दर्ज कराने के लिए नहीं आ रहे लोग, बना रहे बहाने

पुलिस ने मारे गए और घायल हुए किसानों के घरवालों से संपर्क किया है। उन्हें बयान दर्ज कराने के लिए सूची भेजा गया है। लेकिन फिलहाल उनमें से अभी तक कोई नहीं आया है। एक मृतक किसान के घरवालों ने बीमारी की बात कहते हुए अभी आ पाने में असमर्थता जताई है। पुलिस टीम को इस मामले में दर्ज दूसरे मुकदमे की जांच भी तेज करनी है। इसलिए उन लोगों से संपर्क किया जा रहा है जो घटना के दौरान मौके पर मौजूद थे। टीम उन्हें घटना के विडियो दिखाकर उन लोगों की पहचान कराना शुरू करेगी जिन्होंने किसानों के मारे जाने के बाद चार लोगों की पीट-पीटकर हत्या कर दी थी।

रेल रोको अभियान की तैयारी में जुटे किसान

■ एनबीटी न्यूज, सिधु बॉर्डर

संयुक्त किसान मोर्चा ने कहा कि केंद्रीय गृह राज्य मंत्री अजय मिश्रा टेनी किसानों को लेकर विवादित भाषण देने के 3 हफ्ते बाद भी वह मंत्री बने हुए हैं। एसकेएम ने एक बार फिर अपनी मांग दोहराई कि उन्हें सरकार से बर्खास्त कर तत्काल गिरफ्तार किया जाए। जब तक हमारी मांगे नहीं मानी जाती, हमारा विरोध जारी रहेगा। रिकुनिया में अंतिम अरदास के बाद उत्तर प्रदेश के लखीमपुर खीरी से शहीद कलश यात्रा शुरू हो गई है। 18 अक्टूबर को रेल रोको आंदोलन को लेकर पूरे देशभर में किसान नेता लोगों से अपील कर रहे हैं कि इस आंदोलन को सफल बनाने के लिए अधिक से अधिक संख्या में पहुंचे। किसान

File Photo

नेताओं का कहना है कि देशभर के किसान नेताओं से कहा जा रहा है कि वे गांव-गांव जाकर इस आंदोलन के समर्थन जुटाएं। संयुक्त किसान मोर्चा के फैसले के बाद 15 अक्टूबर को होने वाला पुतला दहन कार्यक्रम अब 16 अक्टूबर को होगा। इधर सिंघु और टीकरी बॉर्डर पर गुरुवार को किसानों ने केंद्र सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। किसान नेताओं ने कहा कि हम किसानों के बलिदान को बर्बाद नहीं होने देंगे। किसान नेताओं ने कहा कि मंत्री के बर्खास्त में हो रही देरी से पूरे भारत के किसानों में भारी रोष है। इसके विरोध में रेल रोको आंदोलन 18 अक्टूबर को पूरे भारत में लागू किया जाएगा, ताकि केंद्र सरकार पर अजय मिश्रा टेनी और उनके बेटे का बचाव करने के बजाय उनके खिलाफ कार्रवाई करने का दबाव बनाया जा सके। अब मोर्चा महापंचायतों के सहारे मुद्दों में भी विस्तार कर रहा है। पूर्व में 26 अक्तूबर को लखनऊ में महापंचायत का एलान किया गया था। पर, इस पंचायत को मुख्यतः लखीमपुर खीरी प्रकरण पर केंद्रित रखने की बात थी। इस मामले में कई मांगें पूरी हो गई हैं। ऐसे में लखनऊ की प्रस्तावित पंचायत पर नए सिरे से मंथन शुरू हो गया है।

अटल के विडियो से वरुण ने दी चेतावनी

पीटीआई, नई दिल्ली : किसानों के मसले को लेकर बीजेपी सांसद वरुण गांधी ने एकबार फिर संकेतों में अपनी पार्टी को चेतावनी दी। वरुण ने पूर्व पीएम अटल बिहारी वाजपेयी के 1980 के भाषण की एक छोटी क्लिप पोस्ट की। इसमें वाजपेयी ने किसानों को अपना समर्थन देते हुए उनके दमन के खिलाफ तत्कालीन इंदिरा गांधी सरकार को चेतावनी दी थी। वरुण ने ट्वीट किया, 'बड़े दिल वाले नेता के समझदारी भरे शब्द...' क्लिप में वाजपेई कहते हैं कि किसानों को डराया नहीं जा सकता। इस विडियो में वाजपेयी कहते हैं, 'अगर सरकार (किसानों को) दबाएगी, कानूनों का दुरुपयोग करेगी और शांतिपूर्ण आंदोलन का दमन करेगी, तो हम किसानों के संघर्ष में शामिल होने और उनके साथ खड़े होने से नहीं हिचकिचाएंगे।' वरुण लगातार लखीमपुर खीरी हिंसा मामले में चार किसानों की मौत के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग कर रहे हैं।

हिंसा की जांच से हम संतुष्ट नहीं: टिकैत

पीटीआई, अलीगढ़ : किसान नेता राकेश टिकैत ने लखीमपुर खीरी हिंसा मामले की जांच पर असंतोष जताया। उन्होंने कहा किकेंद्रीय गृह राज्य मंत्री अजय मिश्रा के खिलाफ कार्रवाई न होने तक पीड़ितों को न्याय नहीं मिल सकता। टिकैत ने आरोप लगाया, 'केंद्रीय गृह राज्य मंत्री अजय मिश्रा लखीमपुर खीरी मामले की जांच को प्रभावित कर रहे हैं। जिस तरह से इस मामले की जांच हो रही है उससे हम पूरी तरह असंतुष्ट हैं।' उन्होंने कहा कि पूरी दुनिया यह समझती है कि जब तक गृह राज्य मंत्री को नहीं हटाया जाएगा तब तक न्याय नहीं हो सकता। उन्होंने दोहराया कि केंद्रीय मंत्री की बर्खास्तगी और गिरफ्तारी होने तक किसानों का आंदोलन जारी रहेगा। टिकैत ने कहा कि भारतीय किसान यूनियन अपनी मांगों के समर्थन में 18 अक्टूबर को 6ह घंटे का रेल रोको प्रदर्शन करेगी। इसके अलावा 26 अक्टूबर को लखनऊ में विशाल किसान महापंचायत का आयोजन किया जाएगा।

कैप्टन के फार्म हाउस पहुंचे चन्नी तो सिद्धू ने लगाई दिल्ली की दौड़

■ पीटीआई, नई दिल्ली

पंजाब कांग्रेस के प्रधान नवजोत सिंह सिद्धू और मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी के बीच खटास आने के बाद प्रदेश कांग्रेस में नए समीकरण बनते दिख रहे हैं। मुख्यमंत्री पद की कमान संभालने के बाद चन्नी पहली बार पूर्व मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह से मिलने पहुंचे। चन्नी के साथ उनकी पत्नी और बेटा-बहू भी मौजूद थे। कैप्टन को हटाकर ही कांग्रेस ने चन्नी को मुख्यमंत्री बनाया गया था। चन्नी ने जिस दिन शपथ ली, उसी दिन कैप्टन ने उन्हें लंच पर न्योता दिया था। हालांकि, तब उन्होंने व्यस्तता का हवाला देते हुए इनकार कर दिया था। कैप्टन और चन्नी की मुलाकात कैप्टन के फार्म हाउस में हुई। हालांकि, यह बात सामने नहीं आई है कि इस बैठक का अजेंडा क्या था।

चन्नी के नए दांव के बीच नवजोत सिंह सिद्धू दिल्ली पहुंचे। सिद्धू ने संगठन महासचिव के सी वेणुगोपाल और पंजाब प्रभारी हरीश रावत से मुलाकात की। उन्होंने उन मुद्दों से वरिष्ठ नेताओं को

कैप्टन से मिलने पहुंचे सीएम चन्नी के साथ उनके बेटा-बहू भी मौजूद थे।

अवगत कराया जिनको लेकर उन्होंने पिछले दिनों पद छोड़ा था। सूत्रों का कहना है कि कांग्रेस मुख्यालय पर करीब सवा घंटे तक चली बैठक में पंजाब सरकार और संगठन से जुड़ों पर चर्चा हुई और सहमति बनाने का प्रयास हुआ। ताकि चुनाव से पहले पूरी पार्टी एकजुट होकर मैदान में उतर सके। बैठक के बाद रावत ने कहा, 'सिद्धू और मुख्यमंत्री चरणजीत चन्नी जी बातचीत कर चुके हैं। कुछ चीजें ऐसी होती हैं जिनमें समय लगता है....कांग्रेस अध्यक्ष का फैसला सबको स्वीकार होगा।' सिद्धू ने कहा, 'मैंने पंजाब और पंजाबियों से जुड़ी चिंताओं से पार्टी आलाकमान को अवगत कराया है। मुझे कांग्रेस अध्यक्ष, राहुल गांधी जी और प्रियंका गांधी जी में पूरा विश्वास है। वे जो भी फैसला करेंगे, वो कांग्रेस और पंजाब के हित में होगा। मैं उनके निर्देशों का पालन करूंगा।' सिद्धू ने 28 सितंबर को कांग्रेस की पंजाब इकाई के अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया था। कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी को लिखे पत्र में सिद्धू ने कहा था कि वह पार्टी की सेवा करना जारी रखेंगे।

कश्मीर में पाकिस्तान की नई चाल समझिए सुरक्षा बलों और खुफिया एजेंसियों के अभियान तेज होने के बाद आतंकवादियों ने बदल दी रणनीति

जानने के लिए पढ़ें हिंदी की सर्वश्रेष्ठ इंफोटेनमेंट सर्विस नवभारत गोल्ड की खास सीरीज आजकल

इस आलेख को पढ़ने के लिए लॉग-इन करें या QR कोड स्कैन करें

नवभारत GOLD
विश्व की सर्वश्रेष्ठ हिंदी इंफोटेनमेंट सर्विस
www.navbharatgold.com

आज ही लॉग इन करें और एक्टिवेट करें 15 दिन की फ्री अनलिमिटेड सर्विस।

'लॉग इन' टैब या तीन लाइनों वाले मेन्यू पर क्लिक करें। अपने मोबाइल नंबर, ईमेल या फेसबुक अकाउंट के साथ पूरी करें लॉग इन की प्रक्रिया और पाएं आकर्षक टाइम्स रिवॉर्ड पॉइंट्स।

सेना की सीक्रेट जानकारी लीक, जवान अरेस्ट

■ **एनबीटी न्यूज, अंबाला :** अंबाला में हवलदार को बैनटैग में फंसाकर भारतीय सेना की सीक्रेट और संवेदनशील जानकारी हासिल करने का मामला सामने आया है। अंबाला जिले के हवलदार भोपाल में तैनात है। इंटेलिजेंस ब्यूरो से मिले इनपुट के आधार पर जवान को गिरफ्तार कर लिया है। बताया गया है कि सोशल मीडिया पर सक्रिय भारतीय सेना के जवान लगातार पाकिस्तान की खुफिया एजेंसियों के निशाने पर रहते हैं। जवान भी सोशल मीडिया के जरिए ही महिला हैंडलर के जाल में फंसा। बताया गया है कि जवान से महिला ने फेसबुक पर बातचीत शुरू की। आरोप है कि नजदीकियां बढ़ाने के बाद महिला ने जवान से कुछ जरूरी और संवेदनशील जानकारी हासिल कर ली। डीएसपी नारायणगढ़ अनिल कुमार ने बताया कि पुलिस पूछताछ कर रही है।

कोयला खदानों में पानी भरने से ये संकटः मंत्री

■ पीटीआई, चतरा (झारखंड)

कोयला मंत्री प्रह्लाद जोशी ने कहा कि कुछ कोयला खदानों के बंद होने और कुछ में मॉनसून की बारिश के कारण पानी भरने से यह कोयला संकट पैदा हुआ है। उन्होंने कहा कि घबराने की जरूरत नहीं है क्योंकि स्थिति में सुधार हो रहा है। झारखंड के चतरा जिले के पिपरवार में सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड (सीसीएल) की अशोक खदान का मंत्री ने दौरा किया। उन्होंने कहा कि देश में बिजली संयंत्रों को आवश्यक मात्रा में कोयला मिलता होता रहेगा। वर्तमान स्थिति के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा, 'हम अब स्थिति में सुधार देख रहे हैं।' मंत्री ने मौजूदा स्थिति पर सीसीएल और ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (ईसीएल) के अधिकारियों के साथ बात की। ज्यादा कोयले के उत्पादन की जरूरत पर जोर देते हुए उन्होंने कहा,

'हम रोजाना 20 लाख टन कोयले का उत्पादन कर सकते हैं।' उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन समेत सभी के सहयोग से समाधान निकाला जाएगा। इस बीच, राजस्थान के सीएम अशोक गहलोत ने लोगों से अपील की है कि बिजली बचाएं। गहलोत ने ट्वीट किया, 'प्रदेश ही नहीं, पूरा देश इस समय भयंकर बिजली संकट से जूझ रहा है। राजस्थान भी इससे अछूता नहीं है। बिजली की मांग ज्यादा हो गई है। मांग और आपूर्ति में अंतर बढ़ा है। जो बिजली उपकरण काम नहीं आ रहे हैं, उन्हें बंद रखें बिजली बचाएं।'

कांग्रेस का कैप्टन पर निशाना, कहा- बीजेपी से मिलीभगत कर ली

बीएसएफ के दायरे का मसला देश की सुरक्षा से जुड़ा, बहस बेवजहः BJP

■ एनबीटी न्यूजडेस्क

बीजेपी ने कहा है कि सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) का अधिकार क्षेत्र राष्ट्रीय सुरक्षा के मद्देनजर बढ़ाया गया है। बीजेपीके उपाध्यक्ष वैजयंत जय पांडा ने कहा है कि इस फैसले को लेकर बेवजह बहस हो रही है। यह एक बेहद जरूरी फैसला है जिससे राष्ट्रीय सुरक्षा का मसला सीधे तौर पर जुड़ा हुआ है। गृह मंत्रालय के नए फैसले के बाद बीएसएफ को पश्चिम बंगाल, पंजाब और असम में देश की सीमा से लगते 50 किलोमीटर तक के इलाके में तलाशी, गिरफ्तारी जैसे कई अधिकार हासिल हो गए हैं। इसे लेकर पंजाब और पश्चिम बंगाल जैसे राज्यों की सरकारें विरोध कर रही हैं। असम ने इसका स्वागत किया है। सूत्रों का कहना है कि 'दुश्मन देशों' की तरफ से ड्रोन का इस्तेमाल किया जा रहा है। इसी वजह से भारत के लिए जरूरी था कि वह बीएसएफ को अतिरिक्त शक्तियां प्रदान करे। पुलिस थानों को हटाया नहीं गया है, सिर्फ बीएसएफ का दायरा बढ़ाया गया है। यह निर्णय इस वक्त के लिए जरूरी है। पंजाब में पाकिस्तान कई बार अपने ड्रोन भेज चुका है तो वहीं जम्मू-कश्मीर में ड्रोन का इस्तेमाल कर हमला किया भी चुका है। बीएसएफ का अधिकार क्षेत्र बढ़ाए जाने को लेकर पंजाब कांग्रेस के नेताओं ने कैप्टन अमरिंदर सिंह पर सीधा निशाना साधा। कांग्रेस नेता परगट सिंह ने कहा, 'मैंने हमेशा से कहा है कि कैप्टन अमरिंदर बीजेपी के साथ हैं। केंद्र सरकार की तरफ से पंजाब में बीएसएफ की तैनाती करना दिखाता है कि ने यहां पर राष्ट्रपति शासन लगाना चाहते हैं। मैं अपील करता हूं कि चुनाव के लिए पंजाब को सांप्रदायिक ना बनाएं।' पंजाब के डिप्टी सीएम ओपी सोनी ने राज्य में बीएसएफ का अधिकार क्षेत्र बढ़ाए जाने पर कहा, 'यह राज्य का अधिकार है। केंद्र सरकार अन राज्यों का हक भी छीन लेना चाहती है। केंद्र और राज्य को उनकी अपनी जिम्मेदारी पर ध्यान देना चाहिए। केंद्र सरकार को अपने आदेश की समीक्षा करनी चाहिए।' इससे पहले पंजाब के सीएम चरणजीत सिंह चन्नी ने कहा था कि केंद्र का आदेश संघीय ढांचे पर हमला और इसकी समीक्षा होनी चाहिए।

BSF के अधीन आया एरिया तो क्या बदला?

■ **नए नियम से क्या बदला?**

पश्चिम बंगाल, पंजाब और असम में BSF का क्षेत्र अंतरराष्ट्रीय सीमा से 50 किलोमीटर भीतर तक होगा। पहले यह दायरा 15 किलोमीटर था। मणिपुर, मिजोरम, त्रिपुरा, नगालैंड और त्रिपुरा में उसके अधिकार क्षेत्र को 20 किलोमीटर तक घटा दिया गया है। पहले यह 80 किलोमीटर भीतर तक था। बीएसएफ अधिकारी पुलिस की तरह ही तलाशी, जब्ती और गिरफ्तारी कर सकते हैं।

■ **पंजाब-बंगाल में विरोध क्यों?**

पंजाब करे सीएम चरणजीत सिंह चन्नी ने इसे तर्कहीन फैसला कहा। कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी ने कहा कि केंद्र का फैसला 'संवैधानिक व्यवस्था पर अतिक्रमण करता है' और 'आधे से ज्यादा पंजाब अब BSF के अधिकार क्षेत्र में आ जाएगा।' टीएमसी नेता फिरहाद हकीम ने कहा, 'कानून और व्यवस्था राज्य का विषय है लेकिन केंद्र सरकार केंद्रीय एजेंसियों के जरिए दखल देने की कोशिश कर रही है।'

■ **क्या केंद्र ऐसा कर सकता है?**

सीमा सुरक्षा बल अधिनियम, 1968 की धारा-139 के तहत केंद्र सरकार को अधिकार क्षेत्र में बदलाव का का अधिकार है। हालांकि, ऐसा कोई आदेश संसद के दोनों सदनों के समक्ष रखा जरूर जाना चाहिए। संसद तय करेगी कि आदेश में बदलाव होना है या उसे रद्द करेगी। यूपीए सरकार ने 2011 में बीएसएफ ऐक्ट में बदलाव कर फोर्स को सीमा से इतर अन्य इलाकों में भी सर्च, सीज और अरेस्ट की शक्ति देने की कोशिश की थी। इसका इतना विरोध हुआ था कि राज्यसभा से बिल वापस लेना पड़ा।

NBT संग समझें

■ **बदलाव पर BSF ने क्या कहा?**

बीएसएफ सूत्रों ने हमारे सहयोगी टाइम्स ऑफ इंडिया से कहा कि नए बदलाव के बाद, सीमावर्ती इलाकों में उनके लिए नारकोटिक्स/हथियारों की तस्करी के खिलाफ ऑपरेशंस को अंजाम देने में आसानी होगी। एक अधिकारी ने कहा, 'हम सीमा के 50 किलोमीटर भीतर तक ट्रैफिकर्स और घुसपैठियों की एंट्री और मूवमेंट से जुड़ी सूचना पर ऐक्शन ले सकते हैं। अब हमें 15 किलोमीटर से ज्यादा आगे जाने के लिए राज्य पुलिस से तालमेल करने की जरूरत नहीं पड़ेगी।'

जिन अपराधों में सजा 6 साल से ज्यादा, उनकी जांच में फरेंसिक टीम भेजना जरूरी करेंगेः शाह

■ पीटीआई, पणजी

गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि गृह मंत्रालय छह साल से अधिक की सजा वाले मामलों से अपराध की जांच में मीक पर ही फरेंसिक टीम के इस्तेमाल को अनिवार्य बनाना चाहता है। शाह ने कहा कि फरेंसिक साइंस के क्षेत्र में ट्रेड लोगों की कमी है जिसकी वजह से दोष सिद्धि प्रभावित होती है और मामलों का ढेर लगता जाता है। उन्होंने दक्षिण गोवा के धारवांदोड़ा गांव में राष्ट्रीय फरेंसिक विज्ञान विश्वविद्यालय के परिसर का शिलान्यास किया। उन्होंने कहा, 'हमें गंभीर अपराधियों के मन में यह डर पैदा करना होगा कि वे सलाखों के पीछे होंगे। इसके लिए आपको फरेंसिक साइंस में प्रशिक्षित लोगों की जरूरत होगी जिनकी

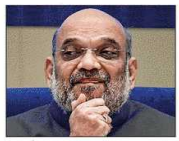

कमी है।' शाह ने कहा, 'अगर हमें ऐसा करना है तो देशभर के 600 से अधिक जिलों में एक फरेंसिक साइंस लैब, चाहे वह छोटी ही क्यों न हो, एक मोबाइल फरेंसिक वैन के साथ स्थापित करनी होगी।' उन्होंने कहा, 'अगर हमें ऐसा करना है तो हमें 30,000 से 40,000 फरेंसिक वैज्ञानिकों की जरूरत होगी। हम उन्हें कहां से लाएंगे? एक तरफ वेरोजगारी है, दूसरी तरफ कुशल जनशक्ति नहीं है। अगर हमें इसे पाटना है, तो शिक्षा कौशल के साथ आगे का रास्ता है। यही कारण है कि हम फरेंसिक विज्ञान विश्वविद्यालय की स्थापना कर रहे हैं।'

अमित शाह ने विश्वास जताया कि गोवा में बीजेपी अगले साल फरवरी में होने वाले चुनाव में जीतकर दोबारा सरकार बनाएगी। उन्होंने कहा कि केंद्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राज्य में बीजेपी की सरकार की वजह से यह डबल इंजन सरकार होगी। उन्होंने यह भी कहा कि 15 नवंबर से चार्टर्ड उड़ानें गोवा में पहुंचनी शुरू हो जाएंगी। उन्होंने कहा, 'शीर्ष पर मोदी हैं, लेकिन यहां आपको बीजेपी सरकार की वापसी के लिए वोट करना होगा। गोवा को डबल इंजन वाली सरकार लानी होगी।'

शाह के दौरे से ममता के बैनर हटाएः TMC

■ आईएएनएस, पणजी : टीएमसी ने बीजेपी पर आरोप लगाया है कि अमित शाह के दौरे से पहले सीएम ममता बनर्जी की तस्वीर वाले पोस्टर और होर्डिंग हटाए गए। टीएमसी प्रवक्ता यतीश नाइक ने कहा, 'बीजेपी सरकार टीएमसी के लिए गोवा के लोगों की प्रशंसा और प्यार से घबराई हुई है। राज्य की बीजेपी सरकार ने टीएमसी के झंडे और बैनर हटाने के लिए अपनी मशीनरी का इस्तेमाल किया है।' नाइक ने आगे कहा, 'यह उस तरह की राजनीति नहीं है, जिसको गोवा के लोग सराहना करते हैं। गोवा के लोग यह सब देख रहे हैं।'

मनमोहन से एम्स में मिले स्वास्थ्य मंत्री और राहुल

■ **पीटीआई, नई दिल्ली :** केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मंडावीय और कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने एम्स में भर्ती पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह से मुलाकात की। दोनों ने उनकी सेहत का हाल जाना। बुखार के बाद कमजोरी की शिकायत के चलते मनमोहन (89) को एम्स में भर्ती कराया गया था। अस्पताल के एक डॉक्टर ने कहा कि उनकी हालत स्थिर है। सुबह स्वास्थ्य मंत्री एम्स पहुंचे तो राहुल शाम को गए। उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री की पत्नी गुरशरण कौर से भी अस्पताल में मुलाकात की। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ट्वीट कर मनमोहन सिंह के जल्द स्वस्थ होने की कामना की।

बाजपुर सीट से ही उतरेंगे यशपाल

■ **विस, देहरादून :** बीजेपी सरकार में मंत्री पद छोड़ कांग्रेस में वापस आए यशपाल आर्य ने कहा है कि वे 2022 का विधानसभा चुनाव बाजपुर सीट से ही लड़ेंगे। उन्होंने बीजेपी सरकार और संगठन पर भी हमला बोला। हल्द्वानी पहुंचने पर यशपाल ने कहा कि उत्तराखंड में बीजेपी सरकार में अफसरशाही हावी है। पांच साल बाद उनकी कांग्रेस में वापसी हुई है। उन्होंने यह भी कहा कि बीजेपी संगठन में कोई लोकतंत्र नहीं है, जबकि कांग्रेस में सबको खुलकर बोलने की आजादी है। 2017 के विधानसभा चुनाव से पहले यशपाल आर्य ने कांग्रेस का हाथ छोड़कर अपने बेटे के साथ बीजेपी का दामन थामा था। 2017 में यशपाल आर्य बाजपुर और उनके बेटे संजीव नैनीताल सीट से चुनाव जीते।

सावरकर ने किसके कहने पर मांगी माफी?

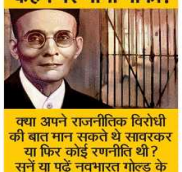

क्या अपने राजनीतिक विरोधी की बात मान सकते थे सावरकर या फिर कोई रणनीति थी? सुनें या पढ़ें नवभारत गोल्ड के आजकल सेक्शन में

नवभारत GOLD
विश्व की सर्वश्रेष्ठ हिंदी इंफोटेनमेंट और इन्फोटेनमेंट सर्विस
www.navbharatgold.com

बिना रुकावट जल्द ट्रांसपोर्ट होगा सामान, गतिशक्ति के तहत 500 कार्गो टर्मिनल बनेंगे

■ **विस, नई दिल्ली :** बिना रुकावट के एयरपोर्ट, रेल व सड़क के जरिए कार्गो पहुंचाने के लिए देश के अंदर रेलवे 500 कार्गो मल्टी मॉडल टर्मिनल्स बनाएगा। केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने गुरुवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में इसकी जानकारी देते हुए कहा कि मकसद यह है कि यह सामान बिना किसी रुकावट के अलग-अलग ट्रांसपोर्ट के जरिए लोगों या इंडस्ट्री तक पहुंच सके। इन मल्टी मॉडल टर्मिनल पर करीब 50 हजार करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। इनका निर्माण आने वाले 4 से 5 साल के अंदर पूरा कर लिया

जाएगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को ही गति शक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान की घोषणा की है। इसका मकसद केंद्र सरकार के कई मंत्रालयों के तहत चल रहे प्रोजेक्ट की निगरानी करना है। इसके तहत इन्फ्राड्रक्चर इस तरीके से तैयार किया जाएगा जिससे सब एक दूसरे से जुड़ सकें। रेल मंत्री ने कहा कि रेलवे दो तरीके से काम कर रहा है। एक तो कार्गो के टर्मिनल के लिए दूसरा यात्रियों को एयरपोर्ट, मेट्रो, रीजनल रेल नेटवर्क से जोड़ने के लिए भी मल्टी मॉडल स्टेशन तैयार किए जा रहे हैं। दूसरी ओर कार्गो के अलावा पार्सल के लिए भी रेलवे स्टेशनों को जोड़ा जा रहा है। नई दिल्ली रेलवे स्टेशन के रीडेवेलपमेंट का जल्द ही काम शुरू होने वाला है। इसके तहत पार्सल कार्गो का इंटिग्रेशन किया जाएगा। अगले 3 साल के अंदर 200 मल्टी मॉडल टर्मिनल तैयार कर लिए जाएंगे।

स्वास्थ्य कारणों से बेल पर छूटीं प्रज्ञा विडियो में कबड्डी खेलती आईं नजर

■ **एनबीटी न्यूजडेस्क :** बीजेपी सांसद साध्वी प्रज्ञा ठाकुर मालेगांव ब्लास्ट केस में स्वास्थ्य कारणों की वजह से बेल पर बाहर हैं। अब उनके कुछ विडियो वायरल हैं जिनमें वे हाथों को गरदा खेलती और कबड्डी में हाथ आजमाती दिख रही हैं। 12 अक्टूबर को देर शाम एक दुर्गा पंडाल में पहुंची प्रज्ञा ने महिलाओं के साथ गरबा किया। लगे हाथ वहां खेली जा रही कबड्डी में भी दो-दो हाथ आजमा लिए। प्रज्ञा ठाकुर के ये विडियो सोशल मीडिया

पर वायरल हैं। कांग्रेस ने प्रज्ञा पर सवाल उठाते हुए कहा कि वह स्वास्थ्य कारणों की वजह से कोर्ट में पेश नहीं होतीं लेकिन कबड्डी खेलती हैं।

अंधाधुंध टैक्स वसूल रहा केंद्र, लोग कुशासन को उखाड़ फेकेंगेः राहुल

■ **विशेष संवाददाता, नई दिल्ली :** देश में गैस, पेट्रोल-डीजल के लगातार बढ़ रहे दामों को लेकर कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने केंद्र सरकार पर निशाना साधा। राहुल ने सरकार की तुलना पुराने जमाने में टैक्स चूसने वाले कुशासन से कर डाली। राहुल ने सोशल मीडिया पर एक ग्राफ के जरिए पिछले कुछ अर्से में इन तीनों चीजों की कीमतों में हुई बढ़ोतरी को दिखाया। उन्होंने लिखा कि पुरानी लोककथाओं में ऐसे लालची कुशासन की कहानी होती थी, जो अंधाधुंध कर वसूली करता था। पहले जनता दुखी हो जाती, लेकिन अंत में वह उस कुशासन को खत्म करती थी। असलियत में भी ऐसा ही होगा। देश में गैस, पेट्रोल, डीजल के दामों

में हो रही बढ़ोतरी को लेकर कांग्रेस शुरू से ही सरकार पर हमलावर रही है।